BSWE-003
BSWE-005
BSWE-006

समाज कार्य में स्नातक उपाधि

(बी.एस.डब्ल्यू. - तृतीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2015–16

पाठ्यक्रम शीर्षक

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003 : समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005 : एच.आई.वी./एड्स का परिचय

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006 : मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई, 2015 सत्र – मार्च 31, 2016

जनवरी, 2016 सत्र – सितम्बर 30, 2016

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू. तृतीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-003, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-005, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों को क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) : 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप निम्नलिखित से प्राप्त करेंगे :

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यता प्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में डॉ. सायन्तनी,, कार्यक्रम संयोजक, ई–मेलः sayantani@ignou.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं।

बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम करने के लिए आपके पास 6 साल हैं। जर्नल जमा करने के लिए कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है। आप यह सुनिश्चित करें कि 6 वर्षों में आपने थ्योरी और प्रैक्टिम पूर्ण कर लिए हैं। आप अपना जर्नल अध्ययन केंद्र में किसी भी समय जमा कराने के लिए स्वतंत्र है। मूल्यांकन विभाग जर्नल का मूल्यांकन साल में दो बार यानि कि जून और दिसंबर के सत्रांत परीक्षा के साथ करता है। इस उद्देश्य के लिए आप जर्नल क्रमशः 30 मई और 30 नवंबर तक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली में अवश्य जमा करा दें।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। सत्रीय कार्य हस्तलिखित और साफ तौर पर टाईप और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।

सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

चूंकि समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswi online.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं। आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेगें। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ–साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध–व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाले सेमिनार, कान्फ्रेंसस और समाज कार्य व्यावसायिकों एवं विद्यार्थियों की बैठकों के बारे में जानकारी के लिए www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, विद्यापीठ पर क्लिक करें और फिर समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

(डॉ. सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक

समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक : 100

नोट : i) सभी **पाँचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पाँचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. भारत में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए विकासात्मक नीतियों एवं कार्यक्रमों को साकार करने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

73वें संविधान संशोधन एवं महिलाओं को स्थानीय स्व–शासन के ढ़ांचे में लाने में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

2. अपने अनुसंधान अध्ययन के लिए अनुसंधान योजना तैयार कीजिए। 20

अथवा

सामाजिक क्रिया के विभिन्न प्रारूपों का समझाइए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **250** (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।

क) भारत में शिक्षा में लैंगिक–अन्तर पर चर्चा कीजिए। 10

ख) महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण विधानों को सूचीबद्ध कीजिए। 10

ग) मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पुनर्वास, संवर्धन एवं रोकथाम में शामिल विभिन्न चरणों को समझाइए। 10

घ) समाज कल्याण प्रशासन के लक्षणों का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

क) लैंगिक जागरूकता अभ्यास के कुछ मापदण्डों को समझाइए। 5

ख) महिलाओं को भूमण्डलीकरण की प्रक्रिया कैसे प्रभावित करती है? 5

ग) 'एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम' क्या है? 5

घ) स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के अर्थ को समझाइए। 5

ङ) सामुदायिक कार्य में गांधीवादी दृष्टिकोण को लिखिए। 5

च) सामाजिक शक्ति संरचना की चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

क) जेंडर–ब्लाइंड (Gender-Blind) 4

ख) विकास पहलों का अर्थ 4

ग) सामुदायिक संगठन 4

घ) गुटबाजी 4

ङ) वर्ग 4

च) गुणात्मक दृष्टिकोण 4

छ) स्नोबॉल प्रतियन 4

ज) बीमारी 4

मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी **पाँचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी **पाँचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के विभिन्न घटकों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

अथवा

पेशेवरों की मदद हेतु सुझाए गए जीवन कौशलों का उल्लेख कीजिए। 20

2. कार्यस्थल पर एच.आई.वी./एड्स द्वारा लाये जाने वाले विभिन्न मुद्दों को समझाइए। 20

अथवा

एक वैश्विक एड्स प्रारूप कानून के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **300** (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।

क) एच.आई.वी./एड्स रोगियों की स्वायत्तता के अधिकार को संक्षेप में समझाइए। 10

ख) एच.आई.वी. रोकथाम के लिए मानक सावधानियाँ क्या हैं? चर्चा कीजिए। 10

ग) भारत में एच.आई.वी./एड्स में इतिहास का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 10

घ) एच.आई.वी./एड्स पर कार्यस्थल नीति का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

क) देखभाल की निरन्तरता के विभिन्न घटकों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

ख) विशेष परिस्थितियों में परामर्श पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए। 5

ग) एस.टी.डी. निवारण के उपायों को संक्षेप में समझाइए। 5

घ) Hemoplieteacs एवं एच.आई.वी. पर संक्षिप्त लेख लिखिए। 5

ङ) आश्रम (Hospice) देखभाल क्या है? चर्चा कीजिए। 5

च) एच.आई.वी./एड्स की कोई जोखिम जनसंख्या का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

क) संकट परामर्श 4

ख) मादक द्रव्य दुरूपयोग एवं यौन गतिविधियाँ 4

ग) एक नशेड़ी का जीवन 4

घ) एच.आई.वी./एड्स एवं स्तनपान 4

ङ) एलिसा टेस्ट 4

च) पालन परामर्श 4

छ) एच.आई.वी./एड्स के साथ रह रहे बच्चों के अधिकार 4

ज) उत्परिवर्तन (Mutation) सिद्धान्त 4

मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी **पाँचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी **पाँचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. मादक द्रव्य दृरूपयोग की स्थिति में हस्तक्षेप की अवस्थाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

अथवा

परामर्श के चरणों को समझाइए। 20

2. नशा–मुक्ति में शामिल उपचार चरणों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

परिवार एवं राष्ट्र पर मादक दृव्य दुरूपयोग के प्रभाव का उल्लेख कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **300** (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।

क) एक नशेड़ी एवं परिवार को उपचार के लिए हम कैसे प्रेरित कर सकते हैं? 10

ख) परामर्श में व्यवहार तकनीकों की चर्चा कीजिए। 10

ग) सामाजिक नीति को परिभाषित कीजिए एवं शामिल नैतिक मुद्दों का वर्णन कीजिए। 10

घ) एच.आई.वी./एड्स परामर्श में शामिल नैतिक मुद्दों का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

क) ड्रग एवं ड्रग दुरूपयोग से सम्बन्धित मिथकों पर प्रकाश डालिए। 5

ख) एक नशेड़ी को कैसे पहचान सकते हैं? 5

ग) मनोचिकित्सा एवं परामर्श के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

घ) मीडिया शिक्षा पर यूनेस्को घोषणा का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

ङ) एच.आई.वी./एड्स/एस.टी.डी. एवं महिलाओं पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए। 5

च) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में निदानात्मक एवं कार्यात्मक स्कूलों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

क) स्थानान्तरण 4

ख) कारवाई विश्लेषण (Transactional Analysis) 4

ग) समूह रचना 4

घ) उच्च जोखिम समूह और एच.आई.वी. संचरण के मार्ग 4

ङ) प्रवास के परिणाम 4

च) ग्रामीण समुदाय की विशेषताएँ 4

छ) पूंजीवाद की महत्वपूर्ण विशेषताएँ 4

ज) जनहित याचिका (PIL) 4